GURU NANAK GIRLS' P.G. COLLEGE

ESTABLISHED : 1997

AFFILIATED TO MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY

(NAAC ACCREDITED 'A' GRADE STATE UNIVERSITY)

INFORMATION BULLETIN

ARTS, SCIENCE, COMMERCE, MANAGEMENT AND B.Ed. FACULTY

Hiran Magri, Sector-4, Udaipur (Raj.) Phone: 0294-2467231, 2462239, Mob. 9414164030, 9414164031
Website: www.gurunanakgirlscollege.com

भारत में सर्वधर्मसमभाव की पावन भावना से अनुप्राणित होकर जिन महापुरुषों ने कर्म एवं साहित्य-साधना के माध्यम से असंख्य अविस्मरणीय कार्य किए, उनमें गुरुनानक देव का स्थान अग्रगण्य माना जाता है। गुरु नानक देव ने जिस पंथ का प्रतिपादन किया, वह सिक्ख पंथ के नाम से जाना जाता है। 'सिक्ख' शब्द का अर्थ है 'सीखना'। तत्कालीन समाज में प्रचलित सभी अंधविश्वासों को दूर करते हुए मानव के सभी रूपों में एक ही ईश्वर को मानते हुए सिक्ख धर्म का उदय हुआ।

सिक्ख धर्म का धर्मग्रंथ 'ग्रंथ साहब' है, जिसमें सभी धर्मगुरुओं की वाणियां संग्रहीत हैं। सिक्ख धर्म में इसे ईश्वर का स्थान दिया गया है।

गुरुनानक देव जी ने अपनी वाणी में कहा, "ईश्वर सिर्फ एक है जिसका नाम सत्य है। वह ईर्ष्या, भय और शत्रुभावना से रहित महान् एवं दयालु है।" ईश्वर को प्रेम, श्रद्धा एवं आत्मसमर्पण द्वारा ही प्राप्त किया जा सकता है क्योंकि ईश्वर पुष्प में सुगंध की भांति सम्पूर्ण विश्व की प्रत्येक वस्तु में व्याप्त है। अतः ईश्वर को हमें अपने हृदय में खोजना चाहिए।

गुरुनानक देव ने मानव जीवन को कर्मक्षेत्र बताते हुए कहा है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्तव्य का पालन भलीभांति करना चाहिए, क्योंकि व्यक्ति का मूल्यांकन उसके कर्मों द्वारा ही होता है। साथ ही मोक्ष प्राप्ति हेतु ज्ञान और कर्म का संयोजन आवश्यक है।

गुरुनानक देव ने स्पष्ट कहा है कि सत्य बोलना, मांस-मदिरा का परित्याग, लोभ, क्रोध, घृणा का परित्याग तथा गुरु के आदेश को ईश्वरीय आदेश समझना चाहिए। मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है, अतः मनुष्यों को धर्म और जाति के आधार पर बांटना उचित नहीं है। आत्मशुद्धि से ही ईश्वर का साक्षात्कार होता है। मानव की सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है, क्योंकि ईश्वर की दृष्टि में सभी मनुष्य समान है। अतः हमें सादा जीवन जीते हुए मानवता के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। यही सच्चा धर्म है और यही सच्चा जीवन है।

गुरुनानक देव के इन्हीं सिद्धान्तों एवं मूल्यों का अनुसरण करते हुए सेवा भावना से प्रेरित होकर सन् 1997 में महिला शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गुरुनानक कन्या महाविद्यालय की स्थापना की गई।

कुलपति - संदेश

कुलपति
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय
उदयपुर (राजस्थान)

कुलपति
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय
उदयपुर (राजस्थान)

प्रो. सुनीता मिश्रा
कुलपति

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता है कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से सम्बद्ध गुरूनानक कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उदयपुर प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी अपनी विवरणिका का प्रकाशन करने जा रहा है।

यह संस्थान मेवाड़ अंचल के आदिवासी-जनजातीय तथा ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं को उच्च शिक्षा के माध्यम से स्वावलम्बी एवं रोजगारोन्मुखी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा हैं। संस्थान द्वारा विवरणिका में अध्ययनरत छात्राओं हेतु दिशा निर्देश, आचार संहिता, अनुशासन, खेलकूद, शैक्षिक तथा सह-शैक्षिक गतिविधियों की सम्पूर्ण प्रेरणादायी सूचनाएँ प्रकाशित की जाती है।

मैं आशा करती हूँ कि गुरूनानक कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उदयपुर अपनी अकादमिक गरिमा और शैक्षणेत्तर गतिविधियों की सक्रियता से उत्तरोत्तर विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

महाविद्यालय की समस्त छात्राओं, शिक्षकगण एवं संस्थान के प्रबन्ध मण्डल के सदस्यों को शुभकामनाएँ।

प्रो सुनीता मिश्रा

(प्रो. सुनिता मिश्रा)

कुलपति - संदेश

कुलपति
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय
उदयपुर (राजस्थान)

कुलपति
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय
उदयपुर (राजस्थान)

प्रो. सुनीता मिश्रा
कुलपति

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता है कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से सम्बद्ध गुरूनानक कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उदयपुर प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी अपनी विवरणिका का प्रकाशन करने जा रहा है।

यह संस्थान मेवाड़ अंचल के आदिवासी-जनजातीय तथा ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं को उच्च शिक्षा के माध्यम से स्वावलम्बी एवं रोजगारोन्मुखी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा हैं। संस्थान द्वारा विवरणिका में अध्ययनरत छात्राओं हेतु दिशा निर्देश, आचार संहिता, अनुशासन, खेलकूद, शैक्षिक तथा सह-शैक्षिक गतिविधियों की सम्पूर्ण प्रेरणादायी सूचनाएँ प्रकाशित की जाती है।

मैं आशा करती हूँ कि गुरूनानक कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उदयपुर अपनी अकादमिक गरिमा और शैक्षणेत्तर गतिविधियों की सक्रियता से उत्तरोत्तर विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

महाविद्यालय की समस्त छात्राओं, शिक्षकगण एवं संस्थान के प्रबन्ध मण्डल के सदस्यों को शुभकामनाएँ।

प्रो सुनीता मिश्रा

(प्रो. सुनिता मिश्रा)

प्रो. अनिल कोठारी
प्राचार्य
गुरूनानक कन्या स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, उदयपुर

♦
Former Chairman & Director, Faculty of Management Studies (FMS) MLSU, Udaipur
♦
Former Course Director MBA-FSM, FMS MLSU
♦
Former Course Director Tourism & Hotel Management Programme FMS MLSU
♦
Former Coordinator, Finishing School & Placement Cell MLSU, Udaipur (Raj.)

Awards

Gold Medalist in M.A. Economics
♦
Winner of "Smart Investor Session 2" A National Contest Organized by ZEE Business News Channel & Anand Rathi
♦
Winner of the Reginal round of "Sensex Ka Sultan" held at Jaipur
♦
MBA Financial Services Management Course designed by Prof. Kothari awarded as Best Academic Input (Syllabus) in Finance by BSA & Dewang Mehta Trust, Mumbai

प्राचार्य - संदेश

नवीन शैक्षिक सत्र के शुभारंभ में समस्त नवागंतुक एवं वरिष्ठ छात्राओं का अभिनंदन एवं शुभकामनाएं। महिला उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी यह महाविद्यालय छात्राओं के सर्वांगीण विकास की ओर सदैव अग्रसर है। सभी उत्कृष्ट शैक्षिक गतिविधियों को अनवरत प्रवाहित करता हुआ यह महाविद्यालय, छात्राओं की सहशैक्षिक गतिविधियों जैसे खेल, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गतिविधि, एनसीसी तथा राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा निरंतर उच्चतम सोपानों तक पहुंचाने के लिए संकल्पबद्ध है। भारतीय परंपरा, संस्कृति एवं संस्कारों को समन्वित करते हुए महिला जीवन को नए आयाम प्रदत्त कर रहा है। विगत 27 वर्षों के सतत प्रयास एवं दृढ विश्वास के साथ महाविद्यालय ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशेष उपलब्धियां अर्जित की हैं तथा नवीन ऊंचाईयों को स्पर्श करने हेतु निरंतर प्रयासरत है। रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों, प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु प्रशिक्षण व्यवस्था, स्थानन हेतु परिसर में साक्षात्कार के आयोजन के साथ शैक्षिक उन्नयन हेतु सेमिनार, कार्यशालाएं तथा विस्तार व्याख्यानों का श्रंखलाबद्ध आयोजन एवं प्रबंधन महाविद्यालय की विशेषताएं हैं। मेवाड़ के आदिवासी अंचल के सर्वहारा वर्ग की छात्राएं जो यहां अध्यनरत हैं, उन्हें विभिन्न सुविधाएं महाविद्यालय द्वारा प्रदत्त है। कला, विज्ञान, वाणिज्य और शिक्षा संकाय के उच्च तकनीक युक्त विभाग, सुसज्जित प्रयोगशालाएं एवं नवीन उपकरणों से सुसज्जित सभागार के माध्यम से विभिन्न गतिविधियों को निरंतर आयोजित किया जाता है। योग्य शिक्षक छात्राओं में संस्कार व चरित्र निर्माण में विशेष भूमिका का निर्वहन करते हुए अपने प्रयासों एवं संकल्प द्वारा सफलता के उच्चतम सोपानों तक पहुंचा रहें हैं।

महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं ने संकाय सदस्यों के निर्देशन एवं उचित मार्गदर्शन में कठिन परिश्रम कर महाविद्यालय, विश्वविद्यालय तथा राज्य स्तर पर मेरिट में उच्च स्थान प्राप्त किए हैं। मेरा और महाविद्यालय प्रबंधन का संपूर्ण प्रयास रहेगा कि छात्राऐं इस क्रम में निरंतरता बनाए रखते हुए, शिक्षा, रोजगार व उद्यमिता के क्षेत्र में उच्च स्थानों के शिखर तक पहुँचे, सफल हों एवं आर्थिक दृष्टी से आत्मनिर्भर बनें। पुनः समस्त छात्राओं का अभिनंदन एवं उज्जवल भविष्य के लिये मंगलकामनाएं। इस महाविद्यालय सहित मैं आपके भविष्य निर्माण के क्षेत्र में सेवा के लिए सदैव तत्पर हूँ।

Membership

- Life member, Indian Economic Association • Life member, VidhyaBhawan Society, Udaipur
- Former member, Zonal Advisory Board, LIC North Zone (two terms)
- Was member of the Vice Chancellor search committee for GGTU Banswara.
- Former member, selection Board, MDS University Ajmer
- Former member, Selection Board, GGT University, Banswara
- Former member, Board of Management, MDS University, Ajmer

GURU NANAK PUBLIC SCHOOL SABHA

Hiran Magri, Sec. - 4, Udaipur

MANAGEMENT

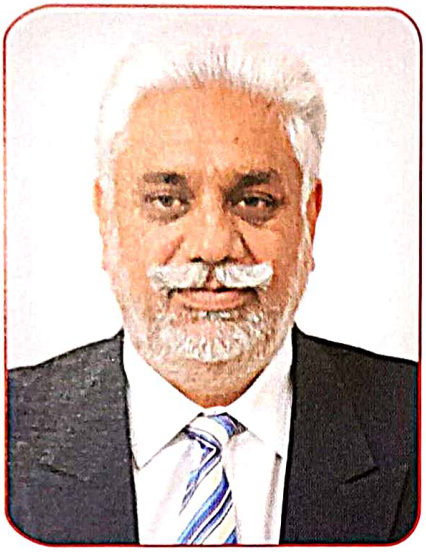

Shri Chiranjiv Singh Grewal
President

Shri Ajit Singh Pahwa
Vice-President

Shri Amarpal Singh Pahwa
Secretary

Shri Narendra Singh Pahwa
Joint-Secretary

INSTITUTE UNDER GURU NANAK PUBLIC SCHOOL SABHA

- ☆ Guru Nanak Grils' P.G. College, Udaipur
- ☆ Guru Nanak Public Sr. Sec. School, Shastri Circle, Udaipur
- ☆ Guru Nanak Public Sr. Sec. School, H. M. Sec - 4, Udaipur
- ☆ Guru Nanak Public School, Devri, Chittorgarh

राष्ट्रीय पर्व समारोह

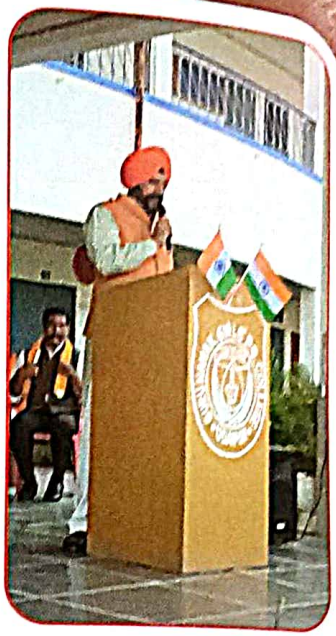

गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण कर समारोह को संबोधित करते मुख्य अतिथि संस्थान पूर्व अध्यक्ष स. महेन्द्र पाल सिंह लिखारी

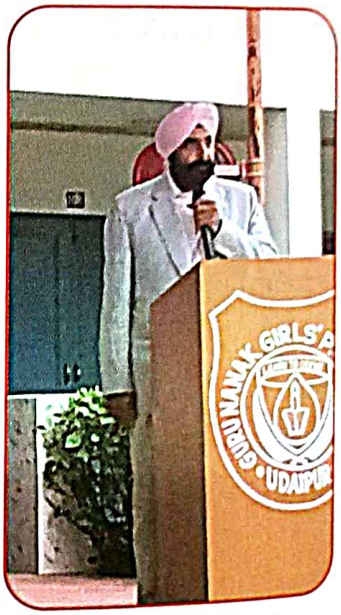

स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित समारोह में संबोधित करते मुख्य अतिथि पूर्व अध्यक्ष स. इन्द्रपाल सिंह सच्चर

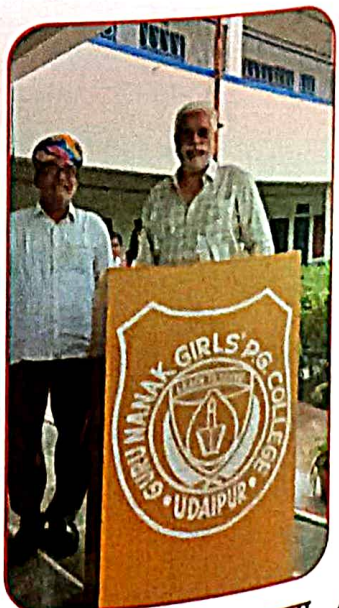

गणतंत्र दिवस समारोह में संबोधित करते संस्थान अध्यक्ष स. चिरंजीव ग्रेवाल व सचिव स. अमरपाल सिंह पाहवा

संस्थान प्रबंध कार्यकारिणी पदाधिकारियों द्वारा प्रतिभा प्रोत्साहन

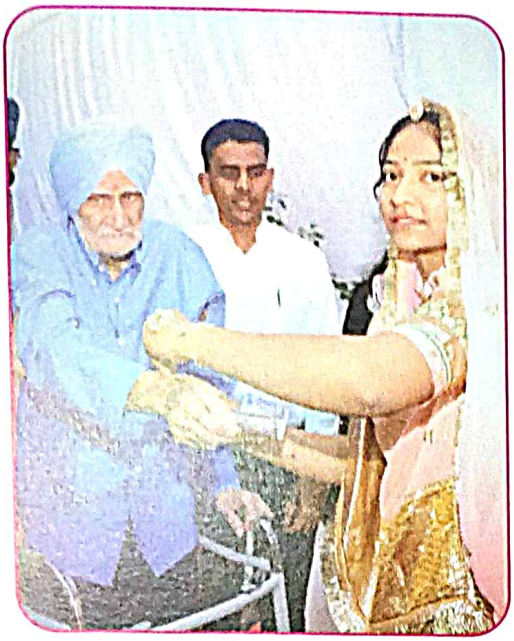

संस्थान पूर्व सचिव स. के. एस. गिल का स्वागत करती छात्राएं

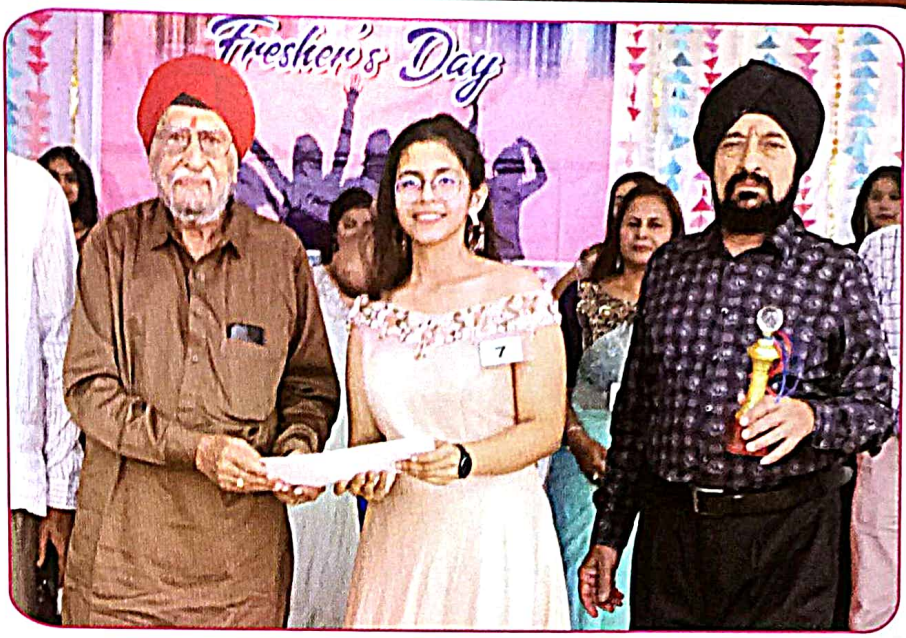

संस्थान उपाध्यक्ष स. अजीत सिंह पाहवा विजेता प्रतिभागी को पुरस्कृत करते हुए

भीत्ति चित्र प्रदर्शनी का लोकार्पण करते संयुक्त सचिव स. नरेन्द्र सिंह पाहवा

कार्यक्रम में विजेता छात्राओं को पुरस्कृत करते पूर्व संयुक्त सचिव स. सतनाम सिंह

सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान उपस्थित संस्थान प्रबंध कार्यकारिणी पदाधिकारीगण

समारोह को संबोधित करते गुरू सिंघ सभा अध्यक्ष स. डी. एस. पाहवा

संपादक मंडल :

प्रो. अनिल कोठारी
प्राचार्य एवं प्रधान संपादक

डॉ. अनुज्ञा पोरवाल
उपाचार्य एवं संपादक

डॉ. सोनिका गुर्जर
संपादक
अंग्रेजी विभाग

अनिल चतुर्वेदी
संपादक
हिन्दी विभाग

E-mail : gurunanak37.college@gmail.com
Website : www.gurunanakgirlscollege.com
प्राचार्य मो. 9414164030, 9414164031 (कॉ) 0294-2462239, 2467231

We are what our thoughts made us so take care about what you think - Swami Vivekanand

महाविद्यालय एक परिचय

उद्भव

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी गुरु नानक शिक्षण संस्थान उदयपुर संभाग का एक अनूठा संस्थान है। विश्व के मानचित्र में अंकित झीलों की नगरी उदयपुर में सन् 1969 में पूर्णतया सेवा भावना से गुरु नानक पब्लिक स्कुल सभा द्वारा गुरु नानक देव की 500वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में गुरु नानक पब्लिक स्कूल, शास्त्री सर्कल की स्थापना की गई।

गुरु नानक कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्थापना : प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा के लक्ष्य को प्राप्त करने के बाद संस्थान ने महिला उच्च शिक्षा के क्षेत्र में वर्ष 1997 में गुरु नानक कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्थापना कर महिला शिक्षा के क्षेत्र में एक नवीन आयाम स्थापित किया है। महिला सशक्तीकरण की दिशा में निजी क्षेत्र की शिक्षा में यह अद्भुत प्रयास था। मेवाड़ के आदिवासी अंचल में महिलाओं में उच्च शिक्षा की अलख जगाने में यह महाविद्यालय अग्रणी रहा है। युगानुसार आधुनिकतम सुविधाओं से युक्त गुरुनानक कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय का विशाल भवन सेक्टर–4 की मुख्य सड़क पर देखते ही बनता है। भवन वास्तु के विन्यास की विशिष्टताएँ यहाँ पूरी तरह परिलक्षित होती हैं। अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित एवं व्यवस्थित प्रयोगशालाएँ, हवा एवं रोशनी से भरपूर बड़े–बड़े कक्षा–कक्ष आकर्षक हैं। महाविद्यालय में आधुनिक संसाधनों से युक्त प्रयोगशालाएं, सभी खेल सुविधाओं से युक्त विस्तृत खेल मैदान शहर के आसपास मार्गों से लाने ले जाने हेतु वाहन सुविधा तथा उत्कृष्ट सहशैक्षणिक गतिविधियों का श्रेष्ठ संचालन इस महाविद्यालय की सर्वोपरि विशिष्टताएँ हैं।

अनुशासन, सुरक्षा, सुविधाएँ

कॉलेज में अनुशासन व्यवस्था बनाए रखने हेतु यूनीफॉर्म निर्धारित है जिसे प्रत्येक छात्रा को पहनना अनिवार्य है। साथ ही व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की छात्राओं के लिए भी यूनिफॉर्म निर्धारित है। महाविद्यालय में छात्राओं की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाता है। शहर और उसके आसपास के विभिन्न मार्गों पर छात्राओं को लाने ले जाने हेतु बस सुविधा है। विगत 27 वर्षों से उन्नति की ओर अग्रसर इस महाविद्यालय ने अब दूर–दराज के क्षेत्रों में अपनी पहचान बना ली है। यहाँ जावरमाइन्स, टीडी सहित अन्य क्षैत्र की छात्राओं के लिए कॉलेज बस की सुविधा है। महाविद्यालय में उत्कृष्ट शैक्षणिक व्यवस्था के अलावा स्नातकोत्तर उपरांत विद्यावाचस्पति (पीएच.डी.) की उपाधि के लिए समाजशास्त्र, हिन्दी में शोधकार्य करवाया जाता है। यू.जी.सी. मापदण्डों के अनुरूप संकाय सदस्य हैं, जिन्होंने अपने उत्कृष्ट शिक्षण के माध्यम से छात्राओं का विश्वविद्यालय की वरीयता सूची में नाम अंकित करवाया है।

COURSE (पाठ्यक्रम)

मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय के नियमानुसार / अधिनस्थ

Undergraduate (स्नातक)

त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम (NEP सेमेस्टर प्रणाली के अनुसार)

Faculty of Arts (कला संकाय)

The Bachelor of Arts degree offers & a balanced blend of defined and flexible course & in Language, Humanities, and Social and Cultural studies, allowing students to explore their passions and develop in-demand skills such as critical thinking communication, and problem solving

छात्रा को तीन ऐच्छिक विषय का चयन करना है, एवं प्रत्येक समुह में से एक ही विषय का चयन करें।

FIRST GROUP	
Economics	अर्थशास्त्र
Sanskrit	संस्कृत
Home Science	गृह विज्ञान

SECOND GROUP	
History	इतिहास
Psychology	मनोविज्ञान

THIRD GROUP	
English Lit.	अंग्रेजी साहित्य
Sociology	समाज शास्त्र

FORTH GROUP	
Hindi Lit.	हिन्दी साहित्य
Public Adm.	लोक प्रशासन

FIFTH GROUP	
Philosophy	दर्शनशास्त्र
Geography	भूगोल

SIXTH GROUP
Political Science
राजनीति विज्ञान

Compulsory Subject (अनिवार्य विषय)

I Semester	II Semester	III Semester
General Hindi	General English	Communicative English

Important Notes (आवश्यक टिप्पणी)

1. *Not more than two practical subjects can be taken. Geography, Psychology and Home Science have been included in the practical subjects.*
2. *Not more than two optional subjects from Sanskrit, Hindi and English literature can be taken together.*
3. *In case of change or amendment in the group, only the groups recognized by the University will be finally accepted.*
4. *The subjects should be selected according to the above mentioned groups only. Any student who wants to change the subject will have to take prior permission from the Principal. Change of subject will be done only if space is available in the desired subject.*
5. *No student will be allowed to change subject after the declared date.*

बुद्धि बल और विवेक को एक साथ प्रयोग करने पर सफलता का मिलना तय है - गौतम बुद्ध

FACULTY OF SCIENCE (विज्ञान संकाय)

The Bachelor of Science offers theoretical as well as practical knowledge about different subject areas. This course forms the basics of science for a coherent understanding of the academic field to pursue multi and interdisciplinary science careers in future.

छात्रों को किसी भी एक समुह का चयन उसके 12th के विषय के आधार पर करना होगा।

B.Sc. (Maths)		B.Sc. (Bio)		B.Sc. (Computer Science)	
Maths	गणित	Botany	वनस्पति विज्ञान	Physics	भौतिक विज्ञान
Physics	भौतिक विज्ञान	Zoology	प्राणी शास्त्र	Maths	गणित
Chemistry	रसायन विज्ञान	Chemistry	रसायन विज्ञान	Computer Science	कम्प्युटर विज्ञान

Compulsory Subject (अनिवार्य विषय)

I Semester	II Semester	III Semester
General Hindi	General English	Communicative English

FACULTY OF COMMERCE (वाणिज्य संकाय)

This course prepares career in accounting, banking, finance and information systems. It offers a basic foundation in all aspects of commerce, building a solid business skill set to adept to a rapidly changing business world.

B.Com.

Accountancy & Statistics	लेखा एवं सांख्यिकी
Business Admistration	व्यवसाय प्रशासन
Banking & Business Economics	बैंकिंग एवं व्यवसायिक अर्थशास्त्र

Compulsory Subject (अनिवार्य विषय)

I Semester	II Semester	III Semester
General Hindi	General English	Communicative English

Education is the most powerful weapon you can use to change the world - B.B. King

PROFESSIONAL COURSES (व्यावसायिक पाठ्यक्रम)

BBA : (Bachelor of Business Administration)

Eligiblity : Class 12th in any Stream with minimum 48%

- The course is designed to provide students with a strong foundation in business and management

BCA : (Bachelor of Computer Application)

Eligiblity : Class 12th in any Stream with minimum 48%

- The course is designed to study Computer Science, Software Engineering Information Technology, Information Security and Networking Technology

---

POST GRADUATION COURSE (स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम)

M.A.	M.Sc.	M.Com.
* English Literature * Psychology * Hindi Literature	* Organic Chemistry	* Accountancy & Business Statistics

B.Ed. COURSE

कला संकाय -70		विज्ञान संकाय -20		वाणिज्य संकाय -10
Hindi	हिन्दी	Physics	भौतिक इतिहास	Financial Accountancy
Sanskrit	संस्कृत	Chemistry	रसायन विज्ञान	Business Methodology
Geography	भूगोल	Biology	जीव विज्ञान	वित्तीय लेखांकन
Civics	नागरिक शास्त्र	General sci.	सामान्य विज्ञान	
Social Stu.	सामा. अध्ययन	Home science	गृह विज्ञान	
History	इतिहास	Maths	गणित	
Economics	अर्थशास्त्र			
Home Science	गृह विज्ञान			
Urdu	उर्दु			

निरक्षरता का और निर्धनता का बड़ा गहरा संबंध है - अटल बिहारी वाजपेयी

प्रवेश नियम व आवश्यक निर्देश

1. प्रवेश प्रक्रिया स्नातक तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं हेतु मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथि से प्रारम्भ होगी। प्रवेश आवेदन पत्र महाविद्यालय कार्यालय से निर्धारित 200/- रूपया शुल्क जमा कराकर प्राप्त किया जा सकता है। महाविद्यालय में प्रवेश की इच्छुक छात्राएँ विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथि से पूर्व अपना प्रवेश आवेदन पत्र भरकर मय निर्धारित प्रवेश शुल्क के कार्यालय में जमा कराएँ। कार्यालय समय प्रात: 9 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक रहेगा।

2. राज्य सरकार/ विश्वविद्यालय के निर्देशानुार प्रथम वर्ष कला, विज्ञान एवं वाणिज्य, बी.बी.ए., बी.सी.ए, विषयों में प्रवेश के लिए वे छात्राएँ जिन्होंने राजस्थान बोर्ड/केन्द्रीय बोर्ड से सीनियर सैकण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण की है प्रवेश हेतु आवेदन कर सकती हैं।

   अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग की छात्राएं समस्त पाठयक्रमों में न्यूनतम उत्तीर्णांक पर प्रवेश ले सकेगी। अनुसूचित जाति की छात्राओं के लिए 16% और अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के लिए 12% एवं अन्य पिछड़ा वर्ग की छात्राओं हेतु 21% स्थान आरक्षित है।

3. (अ) स्नातकोत्तर में प्रवेश हेतु राज्य के बाहर अवस्थित किसी विश्वविद्यालय में अर्हकारी परीक्षा अर्थात् बी. ए. में न्यूनतम प्राप्तांक 60% होना अनिवार्य है। सीट उपलब्ध होने पर वरीयता के आधार पर 60% से कम प्रतिशत पर प्रवेश दिया जा सकता है।

   (ब) अर्हकारी परीक्षा में निर्धारित उत्तीर्णांक में 5% की राज्य सरकार के नियमानुसार छात्राओं को छूट दी जायेगी तथा स्थान रिक्त होने पर राज्य सरकार के नियमानुसार न्यूनतम उत्तीर्णांक पर भी प्रवेश पर विचार किया जा सकता है।

4. महाविद्यालय में विश्वविद्यालय के किसी भी पाठ्यक्रम में छात्रा का प्रवेश रद्द किया जा सकता है, यदि वह विश्वविद्यालय/ महाविद्यालय अधिनियम व उपनियमों की धाराओं का अथवा विश्वविद्यालय के अधिकारियों की आज्ञाओं का उल्लंघन अथवा किसी अपराध के लिए दण्डित हुई हो अथवा किसी अपराधिक कृत्य में लिप्त हो अथवा यह पाया जाए कि उसने प्रवेश के लिए गलत जानकारी अथवा प्रपत्र दिए हैं।

5. छात्रा को वहीं विषय लेने होगें जिनके शिक्षण की सुविधा महाविद्यालय में उपलब्ध है। विषय परिवर्तन के लिए आवेदनकर्ता को एक विषय के परिवर्तन की अनुमति मात्र एक बार ही दी जा सकती है, यदि उस विषय में स्थान उपलब्ध हो। न्यूनतम 20 छात्राओं पर UG व 8 छात्राओं पर PG विषय में प्रवेश होगा।

6. विषय परिवर्तन प्रवेश की अंतिम तिथि से 15 दिन की अवधि में किया जा सकता हैं

7. विश्वविद्यालय के नियमानुसार प्रवेश की पात्रता होने पर भी किसी छात्रा को बिना कारण बताए प्रवेश से वर्जित किया जा सकता है।

8. जमा कराया गया प्रवेश शुल्क लौटाया नहीं जाएगा।

9. प्रवेश संबंधी समस्त सर्वाधिकार प्राचार्य अधीन सुरक्षित है।

अनुशासन

महाविद्यालय वर्तमान व भावी पीढ़ी की धरोहर है, इसकी मर्यादा व गरिमा को अक्षुण्य रखना समस्त छात्राओं का महत्ती कर्त्तव्य है। छात्राओं को निम्नलिखित अनुशासनात्मक नियमों का निर्वहन करना अनिवार्य है :-

1. महाविद्यालय की दीवारों को रंग-बिरंगी तस्वीरें बनाकर या लिखकर गन्दा न करें। महाविद्यालय के अन्दर व बाहर दीवारों व अन्य स्थानों को गन्दा करने, उस पर लिखने व पोस्टर चिपकाने वालों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती है।
2. महाविद्यालय के नियमों एवं आदेशों के संबंध में जानकारी हेतु छात्राओं को प्रतिदिन महाविद्यालय सूचना पट्ट देखते रहना चाहिए। महाविद्यालय ऐसे किसी बहाने को मान्यता नहीं देगा कि छात्रा को किसी आदेश की जानकारी नहीं थी।
3. महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सभी छात्राओं की उपस्थिति आवश्यक है। आयोज्य कार्यक्रमों में शांति व अनुशासन बनाए रखना छात्राओं का महत्ती दायित्व है।
4. छात्राओं के लिए महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय द्वारा आयोज्य परीक्षा संबंधी समस्त आदेशों की अनुपालना अनिवार्य होगी। कक्षाओं/ परीक्षाओं आदि का बहिष्कार करने पर छात्रा को महाविद्यालय से निष्कासित किया जा सकता है।
5. महाविद्यालय में संबंधित विषयों में छात्राओं की प्रगति का समय समय पर मूल्यांकन किया जाएगा, जिसमें छात्राओं की सहभागिता अनिवार्य होगी।
6. नए प्रवेशार्थियों को परेशान करना तथा उनके साथ किसी प्रकार का अभद्र व्यवहार करना (रेगिंग) दण्डनीय अपराध है।
7. छात्राएं अपना वाहन निर्धारित स्थान पर ही रखें।
8. स्कूटी लाने वाली छात्राओं हेतु हेलमेट व लाईसेन्स अनिवार्य है।
9. छात्राओं से अपेक्षा है कि वे शिक्षण काल में महाविद्यालय में ही उपस्थित रहें। अगर वे बिना अनुमति अपने स्तर पर अन्यत्र जाती है तो महाविद्यालय इसके लिए उत्तरदायी नहीं होगा।
10. शिक्षण काल में छात्राओं को उन्हीं बाहरी व्यक्तियों से सम्पर्क करने दिया जाएगा जिनकी अनुमति माता - पिता/ अभिभावक द्वारा दी गई है।
11. किसी भी छात्रा द्वारा नियमों का उल्लघंन करने या महाविद्यालय में अनुशासनहीनता दिखाने पर दण्ड / महाविद्यालय से निष्कासित किया जा सकता है।
12. महाविद्यालय में प्रवेशित छात्राएँ प्रतिदिन शालीन व निर्धारित वेशभूषा में ही आवें।
13. खाली कालांशों में छात्राएँ पुस्तकालय में अध्ययनरत रहें। इधर उधर बरामदों में घूमना व सीढ़ियों पर बैठना अनुचित है। कक्षाओं के दौरान महाविद्यालय परिसर बिना अनुमति के नहीं छोड़ें।
14. महाविद्यालय परिसर में छात्राओं हेतु मोबाइल वर्जित है।
15. आवश्यक कार्य से महाविद्यालय से बाहर जाने हेतु छात्राओं को प्राचार्य के अनुमति पत्र (गेट पास) से ही स्वीकृति प्रदान की जाएगी।
16. महाविद्यालय संचालन के दौरान बिना अनुमति बाहर घूमने वाली छात्राओं पर कठोर अनुशासनत्मक कार्यवाही की जाएगी।

सहशैक्षणिक गतिविधियाँ

महाविद्यालय की छात्राओं के सर्वांगींण विकास की दृष्टि से विभिन्न सहशैक्षिक गतिविधियाँ संचालित है। छात्राएँ संचालित गतिविधियों में अनिवार्य रूप से भाग लेकर व्यक्तित्व विकास को नवीन आयाम प्रदान करें। महाविद्यालय में संचालित गतिविधियाँ निम्नाकिंत है :-

1. खेलकूद –

महाविद्यालय की छात्राओं की खेलकूद प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु वॉलीबाल,बेडमिन्टन, वॉस्केट बॉल शतरंज, क्रिकेट, टेबल टेनिस, कबड्डी, खो-खो, एथेलिटिक्स, जूड़ो, वेट लिफ्टिंग आदि खेलों की पूर्ण सुविधा उपलब्ध है।

2. राष्ट्रीय सेवा योजना –

महाविद्यालय में राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत एन.एस. एस. इकाई संचालित है। महाविद्यालय की इस इकाई द्वारा निकटस्थ अंबाघाटी ग्राम को गोद लेकर गांव में साक्षरता, पर्यावरण, जनजागृति, श्रमदान एवं सांस्कृतिक चेतना जागृत करने का प्रयास निहित है। एन. एस. एस. में भाग लेने वाली छात्रा को आवेदन पत्र अलग से भरना आवश्यक है, जो महाविद्यालय की एन. एस. एस. कार्यक्रम अधिकारी से प्राप्त किया जा सकता है।

3. एन. सी. सी. –

महाविद्यालय में एन.सी.सी. ईकाई संचालित है। एन. सी. सी. की छात्रा केडेट के लिए 75 प्रतिशत परेड में उपस्थिति अनिवार्य है। निर्धारित शिविर में भी उन्हें भाग लेना होगा। यूनिट द्वारा निर्धारित तिथि पर ही गणवेश एवं सामान लिया तथा दिया जाएगा।

4. साहित्यिक व सांस्कृतिक गतिविधियाँ –

महाविद्यालय में छात्राओं के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न अवसरों पर कहानी, निबंध, वाद-विवाद, आशुभाषण, स्वरचित कविता पाठ आदि प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती है।

6. संकाय / विषयगत परिषद् –

महाविद्यालय में शिक्षा के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रत्येक संकाय की विषयगत परिषदों का गठन कर विषय के सूक्ष्म पहलुओं एवं व्यापक पृष्ठभूमि का अध्ययन किया जाता है।

7. संचालित विभिन्न क्लब –

महाविद्यालय में छात्राओं में नेतृत्व विकास, रचनात्मक विकास, बौद्धिक विकास , सामुहिक प्रयास एवं सामाजिक जागरूकता के माध्यम से सर्वांगीण विकास की दृष्टि से विभिन्न क्लब संचालित है-

1. गार्गी क्लब
2. चाणक्य क्लब
3. झुंझुनुवाल द वाणिज्य क्लब
4. कृष्णा द प्रबन्ध क्लब
5. किरण द उद्यमिता क्लब
6. अमृता देवी पर्यावरण क्लब
7. मां माधुरी सामाजिक सेवा क्लब

आचार संहिता

महाविद्यालय की समस्त छात्राओं को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय व महाविद्यालय द्वारा निर्धारित आचार संहिता का पालन करना अनिवार्य है :-

(क) उपस्थिति –

1. विभिन्न कक्षाओं में उपस्थिति के संबंध में राज्य सरकार / मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा समय समय पर प्रसारित नियम लागू होंगे।
2. सभी नियमित छात्राओं के लिए सैद्धान्तिक व प्रयोगिक कक्षाओं में पृथक पृथक 75% उपस्थिति अनिवार्य है। इन नियमों के अनुसार जो छात्रा न्यूनतम उपस्थिति प्राप्त करने में असमर्थ रहती है, उसे विश्वविद्यालय परीक्षा में नियमित छात्रा के रूप में बैठने से रोका जा सकता है।
3. यदि महाविद्यालय, विश्वविद्यालय अथवा राज्य सरकार की ओर से छात्रा को एन. सी. सी कैम्प अथवा सांस्कृतिक, साहित्यिक गतिविधियों में भाग लेने हेतु भेजा जाता है तो ऐसी छात्रा को महाविद्यालय में अनुपस्थिति काल में सम्पन्न कक्षाओं की उपस्थिति सत्र में 15 दिवस से अधिक नहीं होगी।
4. यह छात्रा का स्वयं का दायित्व है कि वह समय समय पर संबंधित प्राध्यापक से अपनी उपस्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त करती रहे एवं प्रत्येक प्रश्न पत्र के अनुसार उपस्थिति का ब्यौरा रखें।

(ख) प्रवेश नियम

1. किसी भी कक्षा में लगातार तीन वर्ष अनुत्तीर्ण होने वाली छात्रा को उसी कक्षा की परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी तथा ऐसी छात्रा की उस पाठ्यक्रम की पात्रता समाप्त कर दी जाएगी। उसे पुनः उस पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष की परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति दी जा सकेगी। तीन वर्ष में छात्रा के परीक्षा में अनुपस्थित होने वाले वर्ष की गणना भी की जाएगी।
2. स्नातकोत्तर स्तरीय कक्षा में प्रवेश हेतु किसी छात्रा को जिसे इस महाविद्यालय की जिस विषय की पूरक परीक्षा देनी है, उस विषय में न्यूनतम उत्तीर्ण अंक देकर उसकी योग्यता निर्धारित कर अस्थाई प्रवेश दिया जा सकेगा।
3. शैक्षणिक सत्र में पूर्ण सत्र का शुल्क लिया जाएगा चाहे छात्रा का महाविद्यालय में प्रवेश विलम्ब से हुआ हो।
4. महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के अलावा बाहरी छात्राएं महाविद्यालय से संबंधित किसी आवश्यक कार्य हेतु कार्यालयाधीक्षक अथवा प्राचार्य से ही सम्पर्क करें। अनुमति के बिना परिसर में घूमना वर्जित है।

Uniform

B.A. B.Com. B.Sc.

: कुर्ता :
गुलाबी पर सफेद धारियाँ, गोल गला तथा आधी आस्तिनों का

: सलवार :
गुलाबी

: चुन्नी :
गुलाबी

BBA

Business Suit
Shirt (Full sleeves)
D.N. (19/744)
Shade : Blue Lining
(GEE CEE Silk Mills)

Coat and Trousers
Imported Dark Navy Blue
Suiting Rolex Fabrics

BCA

Business Suit
Shirt (Full sleeves)
B.D. Suiting No. 19
Shade : Light Purple

Coat and Trousers
Dark Navy Blue

B.Ed.

Salwar Suit & Saree

Success is a journey, not a destination - Benscotteland

(ग) परिचय पत्र

1. प्रत्येक छात्रा को सत्रारम्भ में परिचय-पत्र दिया जाएगा। परिचय-पत्र को पूर्ण रूप से भरकर कार्यालय से प्रमाणित कराने के पश्चात् प्राचार्य के हस्ताक्षर करावें।
2. छात्रा परिचय पत्र पर अपना नवीनतम पासपोर्ट साईज फोटो मय हस्ताक्षर के अवश्य लगावें।
3. परिचय पत्र गुम हो जाने पर प्राचार्य को आवेदन कर निर्धारित 50/- रूपये शुल्क जमा कराने पर नया परिचय पत्र प्राप्त किया जा सकेगा।
4. महाविद्यालय में छात्रा की उपस्थिति के दौरान महाविद्यालय प्रशासन द्वारा मांगे जाने पर अपना परिचय पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक है।

(घ) अन्य उपयोगी सुविधाऐं

महाविद्यालय की नियमित छात्राओं हेतु महाविद्यालय प्रशासन द्वारा उनके उपयोगार्थ महत्ती सुविधाएँ प्रदान की गई हैं :-

1. बस सुविधा –

(अ) महाविद्यालय से दूर रहने वाली एवं वाहन सुविधा की इच्छुक छात्राओं हेतु संस्थान द्वारा बस सुविधा प्रदत्त है, जिन मार्गो पर बस संचालन है उस मार्ग पर छात्रा को सुविधा प्रदान की जाएगी।

(ब) बस सुविधा की इच्छुक छात्राएँ आवेदन पत्र प्रस्तुत कर बस शुल्क जमा कर बस कार्ड प्राप्त कर लेवें।

(स) महाविद्यालय बस की समय सारणी निर्धारित है, छात्रा नियत स्थान एवं समय पर मौजूद नहीं होने की स्थिति में छात्रा के महाविद्यालय में नहीं पहुंच पाने की समस्त जिम्मेदारी छात्रा की होगी। वाहन सुविधा प्राप्त छात्राएँ सदैव वाहन कार्ड अपने साथ रखें।

(द) महाविद्यालय में बस सुविधा शुल्क कम से कम 7 माह के लिए उपलब्ध होगी। यदि किसी कारणवश छात्रा बस सुविधा छोड़ना चाहती है तो उसे एक माह पूर्व प्राचार्य से अनुमति प्राप्त करनी होगी।

(य) डीजल के भावों में बढ़ोतरी होने पर बस शुल्क में वृद्धि की जा सकती है।

2. प्रयोगशालाएँ – कला एवं विज्ञान संकाय हेतु :–

प्रायोगिक शिक्षण को नवीन आयाम देने हेतु महाविद्यालय में समस्त सुविधाओं से युक्त आठ सुसज्जित प्रयोगशालाएँ स्थापित है।

3. विस्तृत खेल मैदान –

महाविद्यालय के व्यापक भू भाग पर सुसज्जित खेल मैदान है। शिक्षण के साथ सह-शैक्षिक गतिविधियों को श्रेष्ठता प्रदान करने के उद्देश्य से खेलों को उल्लेखनीय महत्ता दी गई है।

4. सुसज्जित कम्प्यूटर केन्द्र :–

समस्त संकाय की छात्राओं को आधुनिक शिक्षा के सर्वांगीण आयमों की शिक्षा प्रदान करने हेतु महाविद्यालय में कम्प्यूटरों से युक्त दो कम्प्यूटर सेंटर संचालित है।

5. अल्पाहार गृह (केन्टीन) –

महाविद्यालय की छात्राओं, प्राध्यापकगण एवं कर्मचारियों हेतु मौसम के अनुरूप खाद्य एवं पेय पदार्थ सहज में सुलभ हो, इस हेतु महाविद्यालय में समस्त सुविधाओं से युक्त अल्पाहार गृह संचालित है। केन्टीन में बाहरी व्यक्ति का प्रवेश निषिद्ध है।

विदाई समारोह एवं गरबा आयोजन

विदाई समारोह के दौरान महाविद्यालय छात्रा समुह

माताजी का पुजन कर गरबा आयोजन का शुभारंभ करते संस्थान सचिव स. अमरपाल सिंह पाहवा

छात्राओं द्वारा मनमोहक प्रस्तुति

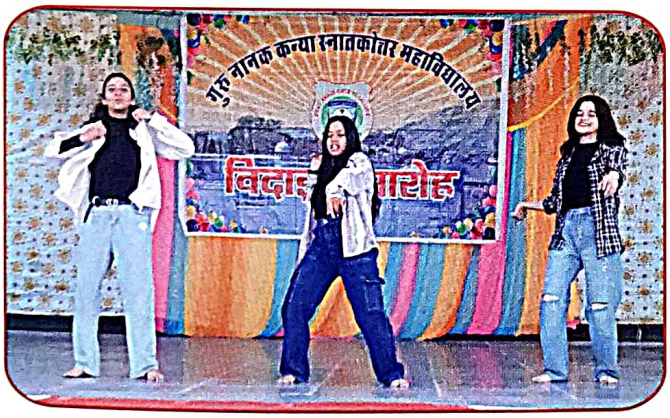

छात्राओं द्वारा मनमोहक पाश्चात्य नृत्य प्रस्तुति

बहुआयामी प्रतिभा को पुरस्कृत करते,
स. चरणजीत सिंह एवं स. अमरपाल सिंह पाहवा

गरबा कार्यक्रम में भक्तिमय भजनों पर नृत्य करती छात्राएं

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन. एस. एस.)

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित कार्यक्रम में स्वयं सेविकाए एवं केडेट्स

एन.एस.एस. के विशेष शिविर में स्वच्छता अभियान में सफाई करती स्वयं सेविकाएं

अमृत कलश अभियान

एकलिंगपुरा में आयोजित एन.एस.एस. के विशेष शिविर के दौरान स्वयं सेविकाएं

एन. सी. सी.

महाविद्यालय की एन. सी. सी. केडेट्स

एन.सी.सी. केडेट के पोस्टर प्रतियोगिता का अवलोकन करते कमांडिंग ऑफिसर

प्रतिभावान केडेट को सम्मानित करते संस्थान सचिव स. अमरपाल सिंह पाहवा

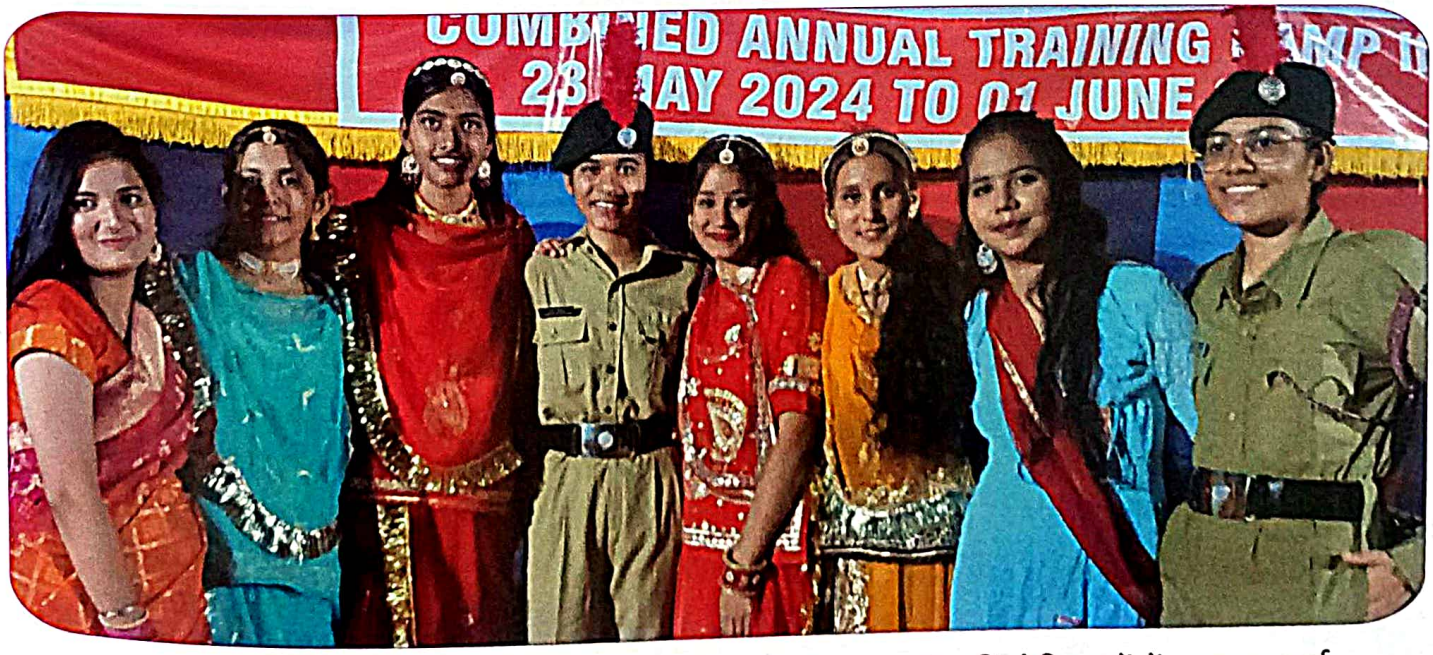

एन.सी.सी. के सी.ए.टी.सी. केम्प में महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा सभी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन

अंतर्महाविद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों से परिचय करते संस्थान पदाधिकारीगण

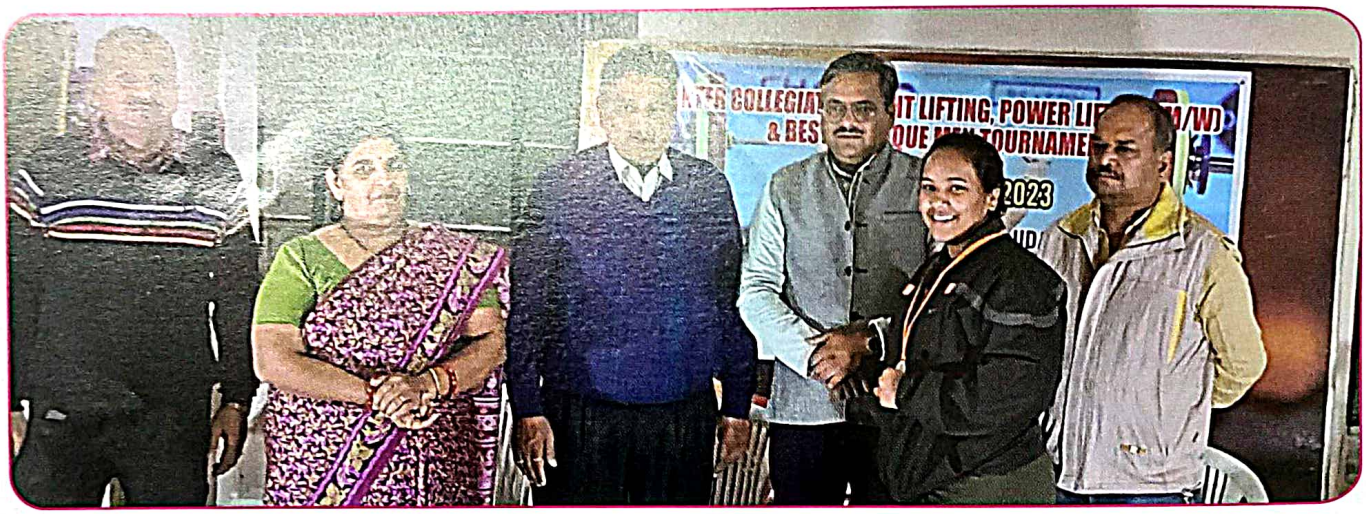

वेट लिफ्टिंग व पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता अंजली शर्मा को सम्मानित करते विश्वविद्यालय क्रीडा परिषद पदाधिकारीगण

अंतर्महाविद्यालय बास्केट बॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ करते संयुक्त सचिव स. नरेन्द्र सिंह पाहवा

राष्ट्रीय स्तर पर शुटिंग प्रतियोगिता में निशाना लगाती महाविद्यालय छात्रा

सहशैक्षणिक गतिविधियाँ

बी.ए. की छात्राएं शैक्षणिक भ्रमण के दौरान रणकपुर में

योग दिवस के अवसर पर आयोजित शिविर में योग करती छात्राएं

स्वामी विवेकानन्द जयंती पर आयोजित प्रतियोगिता की विजेता को पुरस्कृत करते डॉ. आशीष सिसोदिया

आजादी के महानायकों की चित्र प्रदर्शनी

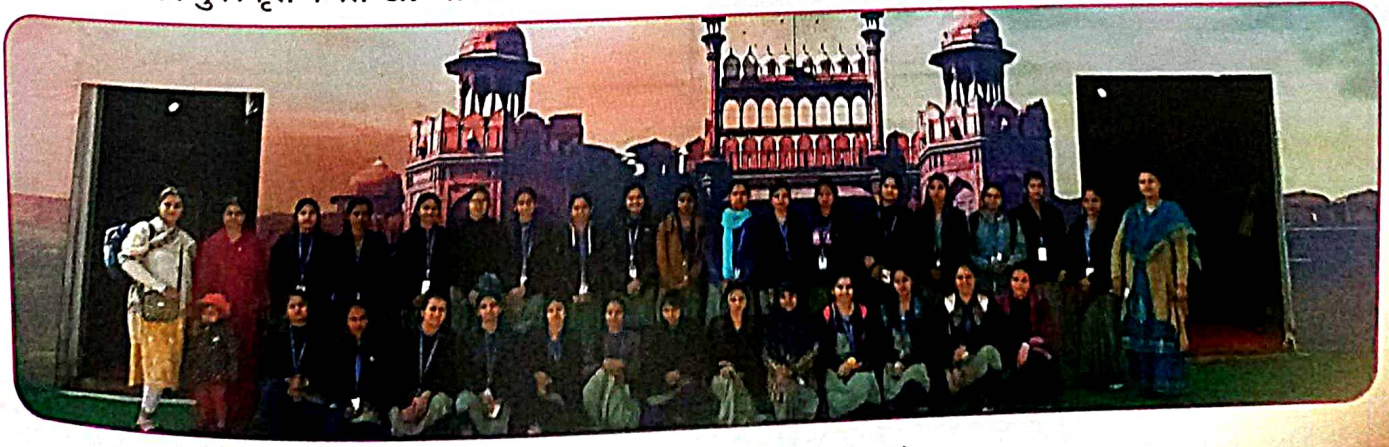

विकसित भारत (संकल्पित भारत)

गुरु नानक कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय

(मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से सम्बद्ध)

बी.एड संकाय के विदाई समारोह में विजेता छात्राए

वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता में
स्वर्ण पदक विजेता अंजली शर्मा

राजस्थान महिला क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व
करने वाली महाविद्यालय छात्रा रिजा शेख

सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तर्महाविद्यालय
प्रतियोगिता में महाविद्यालय की विजेता छात्राएं

Newtrack Offset # 9414160046